भारत के पारंपरिक नववर्ष त्योहार

हाल ही में भारत में **चैत्र शुक्लादि, उगादि, गुड़ी पड़वा, चेटीचंड, नवरेह और साजिबू चेराओबा** मनाया गया। **वसंत ऋतु के ये त्योहार भारत में पारंपरिक नववर्ष** की शुरुआत के प्रतीक हैं।

भारत के पारंपरिक नववर्ष त्योहार:

- **चैत्र शुक्लादि:**
  - यह **विक्रम संवत** के नववर्ष की शुरुआत का प्रतीक है जिसे वैदिक (हिंदू) कैलेंडर के रूप में भी जाना जाता है।
  - विक्रम संवत उस दिन पर आधारित है जब **सम्राट विक्रमादित्य ने शकों को हराया,** उज्जैन पर आक्रमण किया और एक नए युग का आह्वान किया।
  - यह **चैत्र (हिंदू कैलेंडर का पहला महीना) में वर्द्धमान अर्धचंद्र चरण** (जिसमें चंद्रमा का दृश्य पक्ष प्रत्येक रात बढ़ रहा होता है) का पहला दिन होता है।
- **गुड़ी पड़वा और उगादी:**
  - ये त्योहार **कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र सहित दक्कन क्षेत्र** के लोगों द्वारा मनाए जाते हैं।
  - इसमें गुड़ (मीठा) और नीम (कड़वा) परोसा जाता है, जिसे दक्षिण में **बेवु-बेला** कहा जाता है, यह जीवन में आने वाले सुख और दुख का प्रतीक होता है।
  - **गुड़ी महाराष्ट्र में घरों में** तैयार की जाने वाली **एक गुड़िया है।**
    - उगादी पर **घरों में दरवाज़ों को आम के पत्तों से सजाया जाता है** जिन्हें कन्नड़ में तोरणालु या तोरण कहा जाता है।
- **चेटीचंड:**
  - चेटीचंड **सिंधी समुदाय** का **नववर्ष का त्योहार है।**
  - यह त्योहार **सिंधी समुदाय के संरक्षक संत झूलेलाल की जयंती** के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।
- **वैशाखी:**
  - इसे हिंदुओं और सिखों द्वारा मनाई जाने वाली **बैसाखी** के रूप में भी जाना जाता है।
  - यह वर्ष 1699 में **गुरु गोबिंद सिंह** के अधीन योद्धाओं के **खालसा पंथ** के गठन की स्मृति में मनाया जाता है।
  - बैसाखी उस दिन को भी चिह्नित करती है जब औपनिवेशिक ब्रिटिश साम्राज्य के अधिकारियों ने एक सभा के दौरान **जलियाँवाला बाग हत्याकांड** को अंज़ाम दिया था, जो औपनिवेशिक शासन के खिलाफ भारतीय आंदोलन हेतु प्रभावशाली घटना थी।
- **नवरेह:**
  - नवरेह **कश्मीरी नववर्ष का दिन** है।
  - इस दिन को विभिन्न अनुष्ठानों का आयोजन, घरों को फूलों से सजाने, पारंपरिक व्यंजन तैयार करने और देवताओं की प्रार्थना करने के रूप में चिह्नित किया जाता है।
- **साजिबू चेराओबा:**
  - यह **मणिपुर** के सबसे महत्त्वपूर्ण त्योहारों में से एक माना जाता है।
  - यह **विशेष रूप से राज्य के मेइती लोगों द्वारा** बहुत धूमधाम और खुशी के साथ मनाया जाता है।
- **विशु:**
  - यह एक **हिंदू त्योहार है जो भारतीय राज्य केरल, कर्नाटक में तुलु नाडु क्षेत्र, पुद्दुचेरी केंद्रशासित प्रदेश के माहे ज़िले,** तमिलनाडु के पड़ोसी क्षेत्रों और उनके प्रवासी समुदायों द्वारा मनाया जाता है।
  - यह **त्योहार मेदम के पहले दिन (यह ग्रेगोरियन कैलेंडर में अप्रैल के मध्य में आता है) मनाया जाता है, जो केरल में सौर कैलेंडर में 9वाँ महीना है।**
- **पुथंडु:**

- **इसे पुथुवरुदम या तमिल नववर्ष** के रूप में भी जाना जाता है, **यह तमिल कैलेंडर में वर्ष का पहला दिन है और पारंपरिक रूप से एक त्योहार के रूप में मनाया जाता है।**
- **त्योहार की तारीख चंद्र हिंदू कैलेंडर के सौर चक्र के साथ निर्धारित** की गई है, तमिल महीने **चिथिरई के पहले दिन के रूप** में।
- इसलिये यह ग्रेगोरियन कैलेंडर पर **प्रत्येक वर्ष 14 अप्रैल को या उसके आसपास** होता है।

▪ **बोहाग बिहू:**

- **बोहाग बिहू या रोंगाली बिहू जिसे जात (Xaat) बिहू** (सात बिहू) भी कहा जाता है, एक पारंपरिक आदिवासी जातीय त्योहार है जो असम के स्वदेशी जातीय समूहों द्वारा **असम और पूर्वोत्तर भारत के अन्य हिस्सों में** मनाया जाता है।
- यह **असमिया नववर्ष** की शुरुआत का प्रतीक है।
- यह आमतौर पर **अप्रैल के दूसरे सप्ताह** में मनाया जाता है एवं ऐतिहासिक रूप से फसल कटाई के समय को दर्शाता है।

प्रश्न. शक संवत पर आधारित राष्ट्रीय पंचांग (कैलेंडर) का 1 चैत्र, ग्रेगोरियन कैलेंडर पर आधारित 365 दिन के सामान्य वर्ष की निम्नलिखित तिथियों में से किस एक के तदनुरूप है? **(2014)**

(a) 22 मार्च (अथवा 21 मार्च)
(b) 15 मई (अथवा 16 मई)
(c) 31 मार्च (अथवा 30 मार्च)
(d) 21 अप्रैल (अथवा 20 अप्रैल)

उत्तर: (a)

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-s-traditional-new-year-festivals